

ऐतिहासिक कुम्भलगढ़ किले में सदियों से रह रहे आदिवासी ग्रामीणों को हाई कोर्ट से राहत

राजस्थान हाई कोर्ट ने मकानों की मरम्मत व आवश्यक निर्माण की अनुमति दी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध कुम्भलगढ़ किले के परकोटे के भीतर सदियों से निवास कर रहे ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि केवल पुरातात्विक स्मारकों की सुरक्षा के नाम पर ऐसे लोगों को, जो कई पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं, बेदखल नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों का आरोप था कि जब भी वे अपने पुरश्तेनी मकानों की मरम्मत या आवश्यक निर्माण का प्रयास करते

- न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि केवल पुरातात्विक स्मारकों की सुरक्षा के नाम पर ऐसे लोगों को, जो कई पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं, बेदखल नहीं किया जा सकता।**

- उच्च न्यायालय का यह निर्णय कुम्भलगढ़ किले के परकोटे में रहने वाले सैकड़ों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के लिए राहत भरा माना जा रहा है**

थे, तब पुरातत्व विभाग द्वारा एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी, नोटिस जारी करने तथा निर्माण कार्य रोकने जैसी कार्रवाई की जाती थी।

इससे गरीब आदिवासी परिवार लंबे समय से परेशान थे। इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामवासियों की ओर से याचिकाकर्ता विक्रम एवं अन्य ने

राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में जनहित याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा एवं न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि जो लोग कई पीढ़ियों, यहां तक कि सदियों से उक्त क्षेत्र में निवास कर रहे हैं, उन्हें केवल पुरातत्व स्थलों की सुरक्षा के आधार पर बेदखल नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि पुराने फाउंडेशन पर बने मौजूदा मकानों की मरम्मत तथा आवश्यक अतिरिक्त

निर्माण की अनुमति संबंधित नियमों के अनुरूप दी जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अजीज खान, पिंकी बोराणा, सोनू सिंह राठौड़ एवं फरदीन खान ने प्रभावी पैरवी करते हुए ग्रामीणों का पक्ष न्यायालय के समक्ष रखा। उच्च न्यायालय का यह निर्णय कुम्भलगढ़ किले के परकोटे में रहने वाले सैकड़ों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों के लिए राहत भरा माना जा रहा है। इससे वे अपने पुरश्तेनी मकानों की आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षित आवास का अधिकार प्राप्त कर सकेंगे।

पाकिस्तान से हथियार व हेरोइन तस्करी गैंग का सरगना गिरफ्तार

बीकानेर, (निंस्)। पुलिस, साइबर सेल और खाजुवाला पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय नारको आम्स सिंडिकेट के मुख्य सरगना और 75 हजार रुपये के इनामी तस्कर राकेश प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया है। इस पर 22 केस दर्ज हैं। कुछ दिन पहले ही खाजुवाला के 6 बीडी में वॉरेंट राजपुरोहित से 50 करोड़ रुपये की हेरोइन, 11 पिस्टल, 33 मैगजीन और 100 कारतूस बरामद हुए। इन दोनों वारदातों का मास्टरमाइंड राकेश प्रजापत था। उसी ने अभियुक्तों को डिलीवरी लेने भेजा था। पुलिस उसे सरगामी से तलाश रही थी। वह ट्रक में सवार होकर पंजाब से जोधपुर जा रहा था। बीकानेर पुलिस को मुखबिर से इसकी सटीक सूचना मिलने पर अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे पर नकाबबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार पंजाब, गोवा,

पाली, ब्यावर और बीकानेर पुलिस के लिए सिरदर्द बना मोस्ट वांटेड तस्कर राकेश प्रजापत उर्फ ‘दुबई किंग’ जयपुर में बैठकर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन और विदेशी हथियार मंगाने की पूरी साजिश रची थी। मंगलवार को बीकानेर पुलिस ने जब उसे पकड़ा तो उसने कबूला कि 20 से 25 जुलाई के बीच वह जयपुर में गर्लफ्रेंड के पास रुका और वहीं से पाक तस्करोें और पंजाब के शूटर्स के संपर्क में रहकर पूरी सप्लाय चैन ऑपरेट करता रहा।दिन में वचुअल नंबर से पंजाब के शूटर्स व तस्करोें से डील करता था और शाम ढलते ही गर्लफ्रेंड के साथ पब और क्लबों में लंगरी लाइफ जीता था। जयपुर से फ्लाइट लेकर बेंगलुरु गया और कई दिन वहीं रहा। डील के दौरान जयपुर मूवमेंट रहा।

जांच के मुताबिक, जब हैडलर वॉरेंट सिंह खाजुवाला पुलिस के हथ्थे

चढ़ा तो राकेश पंजाब निकल गया। आखिरकार बीकानेर पुलिस ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे पर नकाबंदी कर उसे ट्रक में सफर करते हुए दबोच लिया। पुलिस का दावा है कि पाकिस्तान से ड्रोन ड्रॉपिंग के जरिए भेजी गई हेरोइन और विदेशी पिस्टलों की खेप भारत पहुंचने के दौरान राकेश लगातार भारत माला एक्सप्रेस-वे पर मूवमेंट बदलता रहा, ताकि लोकेशन ट्रैक न हो। हाल के दिनों में बीकानेर पुलिस ने इसी नेटवर्क से जुड़ी कार्रवाई में करीब 10 किलो हेरोइन, 11 विदेशी पिस्टल, 22 मैगजीन और 100 कारतूस बरामद किए हैं। मृदुल कच्छावा, एसपी बीकानेर का कहना है कि पाक से आई हथियारों व हेरोइन की खेप पकड़ी तो राकेश प्रजापत का नाम सामने आया। पूछताछ में सामने आया कि जुलाई के तीसरे सप्ताह में उसने जयपुर रहकर फरारी काटी।

तस्करों की गैरकानूनी तरीके से कमाई 1.79 करोड़ की संपत्तियां जब्त

बीकानेर, (निंस्)। जिले में संगठित अपराधों,मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष ‘ओपरेशन नीलकंठ’ में पुलिस ने मादक पदार्थों के कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। तीन अपराधी और एक महिला की नशा बेचकर हासिल की गई 1.79 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त किया गया है।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया

कि तत्कालीन सीओ सदर आईपीएस अनुष्ठा कालिया, एसपी सिटी चक्रवर्तीसिंह और सदर एसएचओ सुरेन्द्र पंचार ने नशे का कारोबार करने वालों और इससे हासिल की गई संपत्ति की पूरी जानकारी जुटाई। छानबीन में पता चला कि भुट्टों का बास निवासी सत्तार अली, शहजाद और फिरोज उर्फ जग्गू ने नशा बेचकर अवैध रूप से संपत्तियां बनाई। इसमें परी के नाम भी अवैध संपत्ति है। बीकानेर में पहली बार

पुलिस ने एनडीपीएस में कार्रवाई करते हुए सक्षम प्राधिकारी से आदेश लेकर इन चारों की करीब 1.79 करोड़ रुपए की संपत्तियां फ्रीज कर दी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि सदर थाना क्षेत्र के भुट्टों का बास निवासी तस्कर सत्तार अली और उसके बेटों ने मादक पदार्थों की तस्करी की काली कमाई से करोड़ों की संपत्ति खरीद कर रखी थी। सत्तार अली एवं उसके पुत्रों सिकंदर अली, साजिद खां,

अनीश और साहिल के खिलाफ अलग-अलग संगीन धाराओं में कुल 37 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें सिकंदर (13 मुकदमे), साजिद (9 मुकदमे) और साहिल (3 मुकदमे) थाने के घोषित हिस्ट्रीशीटर हैं, जबकि सत्तार अली (9 मुकदमे) की हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने सत्तार अली और उसकी पुत्री परी के नाम दर्ज रिहायशी मकान व बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है।

नकाबपोश बदमाशों ने बोलेरो चालक पर हमला किया

पावटा, (निंस्)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पावटा स्थित चूना फैक्टरी के आगे बुधवार की रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। पुरानी रजिश के चलते कथित रूप से बोलेरो चालक व सवार युवक की लोकेशन ट्रैस कर कई किलोमीटर तक पीछा किया गया और फिर 7-8 नकाबपोश बदमाशों ने बाइक एवं एक कार की मदद से बोलेरो को घेरकर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि चालक व सवार ने सूझबूझ दिखाते हुए पास के एक होटल व खेत में घुसकर अपनी जान बचाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरीश कुमार (25) पुत्र माडाराम गुर्जर निवासी चेची की ढाणी, किशोरापुरा (थाना हरसोरा) ने प्रागपुरा थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 5 अगस्त की रात करीब 9 बजे वह अपने दोस्त लेखाराम के साथ बोलेरो पर निम्नांक प्रमोद से मिलने आया था। पावटा पुलिसा के पास कोल्ड ड्रिंक एवं अन्य सामान लेने के लिए वाहन रोकते ही

किया, मारर कार आगे जाकर पंक्चर हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कार को रोका और तलाशी ली। तलाशी में कार से 48.700 किलो डोडा-पोस्ट बरामद हुआ। पुलिस ने दो आरोपियों विक्रम (25) निवासी भोला का बास, धवा पीएस झंवर, जोधपुर तथा सुरताराम (26) निवासी जोजणियों का तला, बाड़मेर को पकड़ा। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी डोडा-पोस्ट खरीद-फरोख्त के लिए ले जा रहे थे। पुलिस अब तस्करी के नेटवर्क और स्प्लाय चैन से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जांच कर रही है।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निंस्)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के फलोज गांव में जमीन विवाद के चलते छोटे भाई को लोहे के सरिए से हत्या करने वाले बड़े भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद से फरार आरोपी को विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ा। घटना 3 अगस्त को पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान हुई थी। थानाधिकारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि 3 अगस्त को फलोज गांव में पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान बड़े भाई रतनलाल पाटीदार (57) और छोटे भाई गोपाल उर्फ लखा पाटीदार के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान रतनलाल ने गोपाल के सिर पर लोहे के सरिए से हमला कर दिया।

दो मॉनिटर लिजार्ड और हिरण का बच्चा मिला, दो नाबालिग निरुद्ध

बज्जू, (निंस्)। बज्जू थाना क्षेत्र के माणकासर गांव की रोही में रात को वन्यजीव शिकार का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने मौके से दो मॉनिटर लिजार्ड (गोहपाटला) बरामद किए, जिनमें एक मृत और एक गंभीर घायल मिला। तलाशी में पास ही एक हिरण का छोटा बच्चा भी मृत पाया गया। ग्रामीणों की आशंका है कि शिकारियों ने पकड़े जाने के डर से हिरण के बच्चे को वहां फेंक दिया था। इस घटना से जीव प्रेमियों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार रामपुरा भादू की ढाणी के पास महिलाओं ने सदिर्यों

को शिकार करते देख स्थानीय जीव प्रेमियों को सूचना दी। जीव प्रेमियों ने ऊंटगाड़े पर सवार सदिर्यों का पीछा कर उन्हें बागड़ाराम बिशौई के खेत के पास रोका और वन विभाग को सूचित किया। तलाशी में मॉनिटर लिजार्ड (गोहपाटला) बरामद हुए। बज्जू थानाधिकारी चंद्रसिंह भाटी पुलिस बल के साथ पहुंचे। वन और पुलिस टीम ने दो नाबालिगों को निरुद्ध कर बुधवार को न्यायालय में पेश किया, जहां आईडी न होने से मेडिकल रिपोर्ट के लिए दुबारा वन विभाग को सौंप दिया गया। घटना के विरोध में जारी धरना प्रदर्शन को

प्रशासन व ग्रामीणों के बीच हुए समझौते के बाद हटा दिया गया। मुख्य सहमति जिसमें दो वन विभाग कर्मचारियों का स्थानांतरण करने एथा 9 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने पर सहमति बनी। प्रदर्शन के दौरान पूर्व सरपंच रामराज भादू, पूर्व सरपंच गणपत राम सोगड, जीव रक्षा संस्थान बीकानेर के अध्यक्ष मोखराम धारणीया, देसराज भादू, बाबूलाल भादू, सुभाष भादू, मुकेश सोगड, रमेश भादू और विकास बैनीवाल सहित कई ग्रामीण एकत्रित हुए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

डूंगरपुर, (निंस्)। राजस्थान आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ बीएमएस की दोवड़ा ब्लॉक बैठक प्रदेश मंत्री और जिलाध्यक्ष बीएमएस पार्वती भगोर ने मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी वॉरेंट भट्ट थे। बैठक में दोवड़ा ब्लॉक से पहुंची आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी लिखित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द समाधान नहीं होने पर राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

बैठक की अध्यक्षता संघ की जिलाध्यक्ष निर्मला बरांडा ने की।

जिला महामंत्री राजश्री चौहान ने बताया कि बैठक में प्रदेश मंत्री पार्वती भगोरा कहां कि न्यायालय के स्पष्ट आदेश होने के बावजूद आंगनबाड़ी कर्मचारियों से विभाग के अलावा अन्य कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि इसके लिए किसी प्रकार का पारिश्रमिक भी नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सरकार से न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की। बैठक में समय पर मानदेय भुगतान का मुद्दा भी मुख्य रूप से उठाया गया।

डूंगरपुर के अस्पताल में नवजात व प्रसूता की मौत के बाद हंगामा

परिजनों ने प्रसूता का शव मोर्चरी ले जाने से रोका,

अस्पताल स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की भी हुई

डूंगरपुर, (निंस्)। मातृ-शिशु अस्पताल एमसीएच में मृत नवजात को जन्म देने के 24 घंटे बाद 19 वर्षीय प्रसूता की भी मौत हो गई। लगातार हुई दो मौतों के बाद अस्पताल में हंगामा मच गया। परिजनों ने प्रसूता का शव मोर्चरी ले जाने से रोक दिया और अस्पताल स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। सूचना पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने समझाइश कर शव को मोर्चरी में रखवाया, जहां इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर जिले के सुलाई आंकडी, खेरावाड़ा निवासी 19 वर्षीय ललिता पत्नी नितेश

मीणा गर्भवती होने के कारण अपने पीहर् गरासिया फला ऋषभदेव में रह रही थी। बुधवार को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे पहले खेरावाड़ा स्थित डॉ. आशीष के निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे। वहां से उसे डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के मातृ-शिशु अस्पताल रेफर किया गया, जहां भर्ती के बाद उसने मृत नवजात को जन्म दिया। नवजात के शव को मोर्चरी में रखवाया गया,जबकि ललिता की हालत गंभीर बनी रही। मृत नवजात के जन्म के बाद डॉक्टरों की निगरानी में ललिता का उपचार जारी था,लेकिन गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। लगातार दो मौतों की खबर मिलते

ही परिजनों में शोक और आक्रोश फैल गया। प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने शव को मोर्चरी ले जाने का विरोध किया। वे स्ट्रैचर के सामने खड़े हो गए और शव को ले जाने से रोक दिया। इस दौरान अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई तथा अस्पताल स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की भी हुई।

घटना की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और समझाइश के बाद शव को मोर्चरी में शिफ्ट कराया। पुलिस ने बताया कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अवैध मादक पदार्थ जब्त

कोटा, (निंस्)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मोटरसाइकिल की तलाशी के दौरान 0.211 किलोग्राम अवैध एमडी जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को भी जब्त किया है। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि मध्यप्रदेश के मंदसौर-सीतामऊ मार्ग से एक मोटरसाइकिल सवार अवैध मादक पदार्थ एमडी लेकर जा रहा है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीनए) कोटा डिवीजन के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर मंदसौर-सीतामऊ मार्ग पर ग्राम अरणीया निजामुद्दीन के निकट संरिध मोटरसाइकिल को रोककर उसकी तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के फ्रंट विंजर के अंदर छिपाकर रखा गया एक प्लास्टिक बैग बरामद हुआ।

पाटन क्षेत्र के रेला पहाड़ पर पैथर दिखा, ग्रामीणों में दहशत

- ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और पैथर की लगातार निगरानी करने की मांग की**

से जंगल और आबादी से सटे क्षेत्रों में देखा जा रहा है। वह आए दिन मवेशियों का शिकार कर रहा है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।स्थिति को देखते हुए शाम ढलते ही ग्रामीण अपने पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर बांध रहे हैं और अनावश्यक रूप से जंगल की ओर जाने से बच रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रेला के जंगल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पशु चराने जाते हैं। ऐसे में पैथर का मौजूदगी किसी भी समय बड़े हादसे

सर्पदंश से महिला की मौत

निवाई, (निंस्)। गांव रजवास में बुधवार को खेत में कृषि कार्य करने के दौरान एक महिला को सांप ने काट लिया जिससे महिला की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गांव रजवास में कमला देवी (55) पत्नी रामसहाय बैरवा अपने कुएं पर खेत में चारा काट रही थी। इसी दौरान सांप ने उसे काट लिया। जिससे वह घायल हो गई। जानकारी मिलने पर परिजनों ने उसको उप जिला अस्पताल भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

- एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कार सवारों के बीच हुई कथित मुठभेड़ में एक युवक की गोली लगने से मौत हो गई थी**
- मृतक के परिजनों ने इस पूरी कार्रवाई को फर्जी एनकाउंटर करार देते हुए पुलिसकर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है**

भीलवाड़ा, (निंस्)। भीलवाड़ा बाइपास पर पुर थाना क्षेत्र के पास नेशनल हाईवे-48 पर बुधवार देर रात एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कार सवारों के बीच हुई कथित मुठभेड़ में एक युवक की गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हालांकि, दूसरी ओर मृतक के परिजनों ने इस पूरी कार्रवाई को फर्जी एनकाउंटर करार देते हुए पुलिसकर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिली थी। टीम ने पुर थाना क्षेत्र में नकाबंदी कर एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक कार लेकर भागने लगा। पीछा करने के दौरान मुठभेड़ के हालात बने और पुलिस की ओर से कार को रोकने के लिए की गई फायरिंग में युवक को सीने व पसलियों के पास गोली लग गई। कार का अपला शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया। घायल को तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गणपत राम (36) पुत्र आलाराम, निवासी रामड़ावास,

उदयपुर में छात्रसंघ चुनाव की मांग पर एबीवीपी-एनएसयूआई कार्यकर्ता भिड़े

उदयपुर, (कासं)। प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग अब लगातार उग्र होती जा रही है। गुरुवार को उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर में छात्र राजनीति का केंद्र बन गया, जहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने अलग-अलग प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध जताया। इस दौरान दोनों छात्र संगठनों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए जिससे विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार सुबाड़िया विवि में गुरुवार को छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर आखि़त प्रदर्शन के दौरान माहौल गरमा गया। दोपहर करीब 12 बजे एबीवीपी और एनएसयूआई के कार्यकर्ता आपस में आमने-सामने हो गए दोनों छात्र संगठनों के बीच विवाद के लिए किसी प्रकार का पारिश्रमिक भी नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सरकार से न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की। बैठक में समय पर मानदेय भुगतान का मुद्दा भी मुख्य रूप से उठाया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रतापनगर थानाधिकारी अजरयसिंह राव और हिरणमगरी थाना अधिकारी रबीन्द्र चारण पुलिस जवानों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने समझाइश कर दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। मामला शांत होने के बाद दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश डागा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रसंघ चुनाव कराने के साथ-साथ कॉलेज के टॉयलेट्स और जर्जर बिल्डिंग की मरम्मत कराने की प्रत्यक्ष मांगें रखी गईं। दोनों संगठनों ने कुलगुरु कैलाश डागा

को उच्च शिक्षा मंत्री के नाम पॉंच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री जितेंद्र लोधा ने बताया कि ज्ञापन में छात्रसंघ चुनावों की शीघ्र बहाली की मांग की गई। सभी विश्वविद्यालयों में समान अकादमिक कैलेंडर लागू करने, समयबद्ध एवं बारदर्शी परीक्षा परिणाम घोषित करने, विश्वविद्यालयों में रिक्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों पर नियमित नियुक्तियां करने, प्रदेश के सभी राजकीय महाविद्यालयों में नियमित अध्यापकों की नियुक्ति की मांग की गई। एनएसयूआई से जुड़े छात्र नेता कैलाश गुर्जर ने बताया कि राजस्थान की उच्च शिक्षा व्यवस्था अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र लगातार देरी से हो रहे हैं, परीक्षा परिणाम समय पर घोषित नहीं हो रहे मूल्यांकन प्रक्रिया की खामियां छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हजारों पद खाली होने के कारण शिक्षण व्यवस्था कमजोर होती जा रही है। अधिकांश राजकीय महाविद्यालयों में स्थायी अध्यापकों की कमी है। सरकार को इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए।